

# INTERNATIONAL JOURNAL FOR LEGAL RESEARCH AND ANALYSIS



Open Access, Refereed Journal Multi Disciplinary  
Peer Reviewed

[www.ijlra.com](http://www.ijlra.com)

## DISCLAIMER

No part of this publication may be reproduced, stored, transmitted, or distributed in any form or by any means, whether electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without prior written permission of the Managing Editor of the *International Journal for Legal Research & Analysis (IJLRA)*.

The views, opinions, interpretations, and conclusions expressed in the articles published in this journal are solely those of the respective authors. They do not necessarily reflect the views of the Editorial Board, Editors, Reviewers, Advisors, or the Publisher of IJLRA.

Although every reasonable effort has been made to ensure the accuracy, authenticity, and proper citation of the content published in this journal, neither the Editorial Board nor IJLRA shall be held liable or responsible, in any manner whatsoever, for any loss, damage, or consequence arising from the use, reliance upon, or interpretation of the information contained in this publication.

The content published herein is intended solely for academic and informational purposes and shall not be construed as legal advice or professional opinion.

**Copyright © International Journal for Legal Research & Analysis.  
All rights reserved.**

## ABOUT US

The *International Journal for Legal Research & Analysis (IJLRA)* (ISSN: 2582-6433) is a peer-reviewed, academic, online journal published on a monthly basis. The journal aims to provide a comprehensive and interactive platform for the publication of original and high-quality legal research.

IJLRA publishes Short Articles, Long Articles, Research Papers, Case Comments, Book Reviews, Essays, and interdisciplinary studies in the field of law and allied disciplines. The journal seeks to promote critical analysis and informed discourse on contemporary legal, social, and policy issues.

The primary objective of IJLRA is to enhance academic engagement and scholarly dialogue among law students, researchers, academicians, legal professionals, and members of the Bar and Bench. The journal endeavours to establish itself as a credible and widely cited academic publication through the publication of original, well-researched, and analytically sound contributions.

IJLRA welcomes submissions from all branches of law, provided the work is original, unpublished, and submitted in accordance with the prescribed submission guidelines. All manuscripts are subject to a rigorous peer-review process to ensure academic quality, originality, and relevance.

Through its publications, the *International Journal for Legal Research & Analysis* aspires to contribute meaningfully to legal scholarship and the development of law as an instrument of justice and social progress.

## ***PUBLICATION ETHICS, COPYRIGHT & AUTHOR RESPONSIBILITY STATEMENT***

The *International Journal for Legal Research and Analysis (IJLRA)* is committed to upholding the highest standards of publication ethics and academic integrity. All manuscripts submitted to the journal must be original, unpublished, and free from plagiarism, data fabrication, falsification, or any form of unethical research or publication practice. Authors are solely responsible for the accuracy, originality, legality, and ethical compliance of their work and must ensure that all sources are properly cited and that necessary permissions for any third-party copyrighted material have been duly obtained prior to submission. Copyright in all published articles vests with IJLRA, unless otherwise expressly stated, and authors grant the journal the irrevocable right to publish, reproduce, distribute, and archive their work in print and electronic formats. The views and opinions expressed in the articles are those of the authors alone and do not reflect the views of the Editors, Editorial Board, Reviewers, or Publisher. IJLRA shall not be liable for any loss, damage, claim, or legal consequence arising from the use, reliance upon, or interpretation of the content published. By submitting a manuscript, the author(s) agree to fully indemnify and hold harmless the journal, its Editor-in-Chief, Editors, Editorial Board, Reviewers, Advisors, Publisher, and Management against any claims, liabilities, or legal proceedings arising out of plagiarism, copyright infringement, defamation, breach of confidentiality, or violation of third-party rights. The journal reserves the absolute right to reject, withdraw, retract, or remove any manuscript or published article in case of ethical or legal violations, without incurring any liability.

# कॉर्पोरेट फाइनेंस में डिजिटल बैंकिंग

लेखक - रुषिका हिवसे

LLM (2nd Sem.),

के मार्गदर्शन में

श्रीमती रोशनी पांडे (सहा. प्रोफेसर)

विधि एवं विधिअध्ययन संस्थान

सेज विश्वविद्यालय इंदौर

## 1. सारांश (Abstract)

डिजिटल बैंकिंग आधुनिक वित्तीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इंटरनेट, मोबाइल एप्लिकेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों ने बैंकिंग सेवाओं को तेज, सुरक्षित और अधिक सुलभ बनाया है। कॉर्पोरेट फाइनेंस के क्षेत्र में डिजिटल बैंकिंग ने कंपनियों के वित्तीय प्रबंधन, नकदी प्रवाह नियंत्रण, निवेश निर्णय, ऋण प्रबंधन और जोखिम प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया है। यह शोध पत्र कॉर्पोरेट फाइनेंस में डिजिटल बैंकिंग की भूमिका, लाभ, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करता है।

मुख्य शब्द :- डिजिटल बैंकिंग, कॉर्पोरेट फाइनेंस, वित्तीय प्रबंधन, फिनटेक, नकदी प्रवाह, जोखिम प्रबंधन।

## 2. परिचय

21वीं सदी में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विकास ने बैंकिंग क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। पहले बैंकिंग सेवाएँ शाखाओं तक सीमित थीं, लेकिन आज अधिकांश सेवाएँ ऑनलाइन उपलब्ध हैं। डिजिटल बैंकिंग का अर्थ है कि बैंक अपनी सेवाएँ इंटरनेट, मोबाइल ऐप, एटीएम, डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रदान करें।

कॉर्पोरेट फाइनेंस किसी कंपनी के वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन, निवेश, पूंजी संरचना और लाभ अधिकतमकरण से संबंधित होता है। डिजिटल बैंकिंग ने इन सभी गतिविधियों को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाया है।

### **3. डिजिटल बैंकिंग की अवधारणा (Concept of Digital Banking)-**

डिजिटल बैंकिंग वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से बैंक अपनी सेवाएँ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रदान करते हैं।

- डिजिटल बैंकिंग के प्रमुख घटक
- इंटरनेट बैंकिंग
- डिजिटल भुगतान प्रणाली
- इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (EFT)
- 4 UPI और QR भुगतान
- 5 AI आधारित बैंकिंग सेवाएँ
- क्लाउड बैंकिंग
- 6 mobile banking

### **4. कॉर्पोरेट फाइनेंस की अवधारणा (Concept of Corporate Finance)-**

कॉर्पोरेट फाइनेंस का संबंध किसी कंपनी के वित्तीय निर्णयों से होता है।

इसके मुख्य उद्देश्य हैं:

- लाभ अधिकतम करना
- शेयरधारकों की संपत्ति बढ़ाना
- वित्तीय जोखिम कम करना
- पूंजी का कुशल उपयोग करना
- निवेश और वित्तपोषण संबंधी निर्णय लेना

### **5. कॉर्पोरेट फाइनेंस में डिजिटल बैंकिंग की भूमिका-**

#### **(क) नकदी प्रवाह प्रबंधन (Cash Flow Management)-**

डिजिटल बैंकिंग कंपनियों को वास्तविक समय (Real Time) में नकदी प्रवाह की जा नकारी उपलब्ध कराती है। इससे वित्तीय योजना अधिक प्रभावी बनती है।

लाभ:- \* नकदी की निगरानी आसान

\* भुगतान और प्राप्तियों का ट्रैक

\* कार्यशील पूंजी का बेहतर प्रबंधन

**(ख) फंड ट्रांसफर में सुविधा-**

डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से कंपनियाँ देश और विदेश में तुरंत भुगतान कर सकती हैं।

उदाहरण:

- NEFT
- RTGS
- IMPS
- SWIFT

इससे समय और लागत दोनों की बचत होती है।

**(ग) ऋण प्रबंधन (Loan Management) –**

डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कंपनियाँ:

- ऑनलाइन ऋण आवेदन कर सकती हैं।
- ऋण की स्थिति ट्रैक कर सकती हैं।
- ब्याज दरों की तुलना कर सकती हैं।

इससे वित्तपोषण प्रक्रिया सरल हो जाती है।

**(घ) निवेश प्रबंधन - कंपनियाँ:**

- म्यूचुअल फंड में निवेश
- बॉन्ड खरीद
- ट्रेजरी प्रबंधन
- ऑनलाइन कर सकती हैं।

**(ङ) जोखिम प्रबंधन-**

डिजिटल बैंकिंग डेटा एनालिटिक्स और AI की सहायता से जोखिमों की पहचान करती है।

जैसे:

- धोखाधड़ी का पता लगाना
- क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन
- बाजार जोखिम का विश्लेषण

## 6. डिजिटल बैंकिंग के लाभ-

1. समय की बचत - बैंक शाखा जाने की आवश्यकता नहीं होती।
2. लागत में कमी- लेन-देन की लागत कम हो जाती है।
3. पारदर्शिता - सभी वित्तीय गतिविधियों का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है।
4. बेहतर निर्णय- वास्तविक समय के डेटा के आधार पर निर्णय लिए जा सकते हैं।
5. वैश्विक व्यापार में सहायता - अंतरराष्ट्रीय भुगतान तेज और सुरक्षित होते हैं।

## 7. भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र में डिजिटल बैंकिंग-

भारत में डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने में निम्न पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है:

- डिजिटल इंडिया अभियान
- UPI प्रणाली
- आधार आधारित बैंकिंग
- ई-केवाईसी
- मोबाइल बैंकिंग

### प्रमुख बैंक:-

- State Bank of India
- HDFC Bank
- ICICI Bank
- Axis Bank

इन बैंकों ने कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए उन्नत डिजिटल बैंकिंग सेवाएँ विकसित की हैं।

## 8. डिजिटल बैंकिंग की चुनौतियाँ-

(क) साइबर सुरक्षा खतरे-

- हैकिंग
- डेटा चोरी
- फिशिंग हमले

आज सबसे बड़ी चुनौती हैं।

(ख) तकनीकी समस्याएँ-

- सर्वर डाउन होना
- नेटवर्क विफलता
- सिस्टम त्रुटियाँ

व्यावसायिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकती हैं।

(ग) गोपनीयता संबंधी समस्याएँ-

ग्राहकों और कंपनियों के वित्तीय डेटा की सुरक्षा आवश्यक है।

(घ) डिजिटल साक्षरता की कमी-

छोटे और मध्यम उद्योगों में डिजिटल बैंकिंग की समझ अभी भी सीमित है।

## 9. डिजिटल बैंकिंग और फिनटेक-

फिनटेक (Financial Technology) कंपनियाँ बैंकिंग सेवाओं को अधिक आधुनिक बना रही हैं।

उदाहरण:

- \* डिजिटल वॉलेट
- \* ऑनलाइन ऋण प्लेटफॉर्म
- \* भुगतान गेटवे
- \* ब्लॉकचेन आधारित सेवाएँ

फिनटेक और बैंकों के सहयोग से कॉर्पोरेट वित्तीय सेवाएँ अधिक प्रभावी हो रही हैं।

## 10. प्रमुख केस स्टडी-

### केस स्टडी 1

1: UPI क्रांति- भारत में UPI ने भुगतान प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है। कंपनियाँ अब तुरंत भुगतान प्राप्त और भेज सकती हैं।

### केस स्टडी 2

HDFC Bank की कॉर्पोरेट डिजिटल सेवाएँ

HDFC Bank ने कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए कैश मैनेजमेंट और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन प्लेटफॉर्म विकसित

किए हैं, जिससे व्यवसायों की कार्यक्षमता बढ़ी है।

### **केस स्टडी 3**

SBI YONO Business-

SBI ने YONO Business प्लेटफॉर्म के माध्यम से कंपनियों को डिजिटल बैंकिंग की उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं।

### **11. भविष्य की संभावनाएँ-**

भविष्य में डिजिटल बैंकिंग निम्न तकनीकों पर आधारित होगी:

- Artificial Intelligence (AI)
- Machine Learning
- Blockchain
- Cloud Computing
- Big Data Analytics

इन तकनीकों से कॉर्पोरेट फाइनेंस और अधिक कुशल, सुरक्षित और पारदर्शी बनेगा।

### **12. निष्कर्ष (Conclusion) -**

डिजिटल बैंकिंग ने कॉर्पोरेट फाइनेंस के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। इससे वित्तीय लेन-देन तेज, सुरक्षित और लागत प्रभावी हुए हैं। नकदी प्रवाह प्रबंधन, निवेश निर्णय, ऋण प्रबंधन और जोखिम नियंत्रण में डिजिटल बैंकिंग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं, फिर भी तकनीकी विकास के साथ डिजिटल बैंकिंग कॉर्पोरेट फाइनेंस का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। भविष्य में AI, ब्लॉकचेन और फिनटेक के विकास से इसका महत्व और बढ़ेगा।

### **13. संदर्भ (References) :-**

- Reserve Bank of India, वार्षिक रिपोर्ट।
- National Payments Corporation of India, UPI रिपोर्ट।
- World Bank, Digital Finance Reports।
- International Monetary Fund, Financial Technology Reports।

विभिन्न बैंकिंग एवं कॉर्पोरेट फाइनेंस शोध पत्र एवं जर्नल।